THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN): (a) to (c) The question of updating the earlier traffic survey for conversion of Purulia-Kotshila narrow gauge line into BG is under the active consideration of the Ministry of Railways.

Strike in Cochin Port

5427. SHRIMATI PRAMILA DANDAVATE: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there is strike in the Cochin Port;

(b) if so, whether it has completely stopped all activities in the strike bound Cochin Port;

(c) the details thereof; and

(d) what steps have been taken to restore normalcy and stop further erosion of economy?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI BUTA SINGH): (a) to (c) About 200 Executive Staff of Porterage Section of the Cochin Port Trust resorted to a strike from 15 June, 1980 to press a demand for abolition of roster off system and fixation of Sunday as permanent weekly day of rest. The strike affected cargo handling operations in general cargo ships, as a result of which shipment of export cargo like tea, cashew kernels, etc. was held up. Cargo handling operations in bulk cargo ships were not affected. Vessels carrying POL were also being operated.

(d) On an appeal made by the Minister of Shipping and Transport the strike was withdrawn on 13th July, 1980.

हजारी बाग शहर के लिए रेलवे सेवा

5428. श्री बिन्देश्वरी दुबे : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हजारीबाग शहर के लिए, जो उत्तर छोटा नागपुर डिवीजन का डिवीजनल मुख्यालय है, सीधी रेलवे अभी तक उपलब्ध नहीं है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि गत 10–12 वर्षों के दौरान विभिन्न संगठनों और वहां के लोगों के प्रतिनिधियों द्वारा हजारी बाग शहर को एक रेलवे लाइन द्वारा जोड़ने के लिए, समय समय पर बहुत से अभ्यावेदन भेजे गए थे ;

(ग) क्या यह भी सच है कि बिहार में पलामु, रांची, हजारीबाग और गिरीडीह के एक महत्वपूर्ण औद्योगिक केन्द्र को एक रेलवे लाइन द्वारा जोड़ने का प्रस्ताव मंत्रालय के विचाराधीन है ; और

(ग) यदि हां, तो इस मामले में क्या निर्णय लिया गया है ?

रेल मंत्रालय में उपमंत्री श्री मल्लिकार्जुन) : (क) और (ख) जी हां।

(ग) और (घ) : नया सर्वेक्षण, जिसके लिए आदेश 1977–78 मे दिए गए थे और जो आजकल हो रहा है, रांची रोड से हजारी बाग टाउन और कोडरमा के रास्ते गिरीडीह तक एक बड़ी लाइन के लिए है। सर्वेक्षण रिपोर्ट पूरी हो जाने और वित्तीय क्षमता सहित सभी पहलुओं से उसकी जांच कर लिए जाने के बाद ही कोई निर्णय लिया जाएगा।

इलाहाबाद और दिल्ली के बीच कानपुर और टुंडला होकर चलने वाली मेल/एक्सप्रेस/पैसेंजर रेलगाड़ियां

5429. श्री जयपाल सिंह कश्यप : : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इलाहाबाद और दिल्ली तथा नई दिल्ली के बीच कानपुर और टुंडला होकर चलने वाली मेल या एक्सप्रेस और पैसेंजर रेल गाड़ियों की प्रति सप्ताह संख्या क्या है ;

(क) इलाहाबाद और दिल्ली के बीच लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद और हापुड़ होकर चलने वाली रेलगाड़ियों की प्रति सप्ताह संख्या क्या है ;

(ग) सरकार द्वारा इलाहाबाद, लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद और हापुड़ से दिल्ली तथा नई दिल्ली तक कोई नई रेल गाड़ी सेवा आरम्भ न किए जाने के कारण क्या हैं और आधार क्या हैं ;

(घ) क्या सरकार का विचार वहां कोई एक्सप्रेस या मेल रेलगाड़ी चलाने का है ;

(ङ) इलाहाबाद से लखनऊ, बरेली, तथा मुरादाबाद होकर सहारनपुर तक चलने वाली एक्सप्रेस/मेल और पैसेंजर रेलगाड़ियों की संख्या क्या है ; और

(च) क्या सरकार का विचार इस लाइन पर इलाहाबाद से मुरादाबाद होकर सहारनपुर तक कोई एक्सप्रेस/ मेल रेलगाड़ी चलाने का है ?

रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) दोनों दिशाओं में 68 गाड़ियां।

(ख) कोई नहीं।

(ग) और (घ) लखनऊ और मुरादाबाद के रास्ते दिल्ली और इलाहाबाद के बीच कोई गाड़ी चलाना लाइन क्षमता की तंगी के कारण न तो परिचालन की दृष्टि से व्यावहारिक है और न वांछनीय ही, क्योंकि यह एक अधिक लम्बा मार्ग है, इसलिए अधिक यात्रा-समय के अलावा किराया भी अधिक लगेगा।

(ङ) एक जोड़ी।

(च) जी नहीं।

Deportation of Shri V. Varkki from U.K.

5430. SHRI INDRAJIT GUPTA: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether an Indian couple, Shri Verghese Varkki and his wife, were ordered to be deported from the U.K. after having lived there for eight years;

(b) whether over 100 members of the British Parliament appeared against the deportation order, and the result thereof; and

(c) what steps Government took in the matter to persuade the U.K. authorities to withdraw the deportation order?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI P. V. NARASIMHA RAO): (a) Yes, Sir. Mr. Verghese Varkki and his wife were admitted into the U.K. as visitors in August, 1972. They applied for extension of stay several times, but their application was rejected on several occasions. In December 1979, the British Home Secretary signed a deportation order which was served on the Varkkis. They unsuccessfully appealed to a Court for judicial review in April 1980. Eventually, Mrs. Varkki left the U.K. on 27th June, 1980 and Mr. Varkki followed on 30th June, 1980.

(b) Yes, Sir. On 5th June, 1980 a British MP with the support of over 100 MPs tabled an 'early day' motion in the House of Commons, which appealed to the Home Secretary to exercise his discretion and withdraw the proposal to remove the Varkkis from the UK. In reply it was stated that the British Home Secretary had come to the conclusion that the deportation should proceed The Minister of State in the Home Office also had two meetings with some MPs, to consider further representations, but he also concluded in May 1980 that there were no grounds for revising the decision.

(c) The Indian High Commission came to know of the case in May 1980